सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

घड़ी को सिर्फ देखो मत बल्कि वह करो जो घड़ी करती है बस चलते रहो..।

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	45°	26°
शनिवार	44°	27°
रविवार	43°	29°
सोमवार	43°	26°
मंगलवार	41°	26°
बुधवार	39°	25°
वीरवार	48°	29°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 16 MAY TO 22 MAY 2025 • VOLUME 42 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

सीजफायर वाले बयान से पलटे ट्रंप कहा- मैंने कोई मध्यस्थता नहीं कराई

कतर. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को अपने उस दावे से पीछे हटते नजर आए जिसमें उन्होंने पिछले सप्ताह भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के लिए सीधे तौर पर मध्यस्थता करने की बात कही थी। कतर के अल-उदीद एयरबेस पर सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने ऐसा किया, लेकिन मैंने निश्चित रूप से मदद की। अमेरिकी सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच शत्रुता समाप्त हो गई है और वे इससे खुश हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता संघर्षों को समाप्त करना है, न कि उन्हें शुरू करना।

10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद दोनों देश पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं। बाद में भारत के विदेश मंत्रालय ने उनके दावे का खंडन किया और कहा कि सैन्य संघर्ष विराम दोनों देशों के बीच डीजीएमओ-स्तरीय वार्ता का परिणाम था। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष विराम पाकिस्तान के डीजीएमओ द्वारा अपने भारतीय समकक्ष से युद्ध विराम का अनुरोध करने के बाद हुआ। यह भारत द्वारा पाकिस्तान के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों और एयरबेसों पर जवाबी हमले के बाद हुआ।

13 मई को ट्रंप ने कहा कि शायद भारत और पाकिस्तान एक साथ अच्छा डिनर कर सकते हैं, जबकि उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक युद्धविराम की मध्यस्थता की। ट्रंप ने पश्चिम एशियाई राष्ट्र की अपनी यात्रा के दौरान सऊदी अरब-यूएस इन्वेस्टमेंट फोरम 2025 में कहा कि वे वास्तव में साथ मिल रहे हैं। शायद हम उन्हें एक साथ ला सकते हैं जहाँ वे बाहर जाकर एक साथ अच्छा डिनर कर सकें।

हमने अपना लक्ष्य हासिल किया : जयशंकर

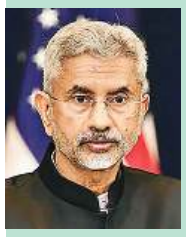

भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने पर विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवादी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। चूंकि प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए गए थे, इसलिए मुझे लगता है कि हमने उचित रूप से यह रुख अपनाया, क्योंकि ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह अलग खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए एस जयशंकर ने कहा कि उन्होंने इस अच्छी सलाह को न मानने का फैसला किया। एक बार 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हमने कितना नुकसान किया और उन्होंने कितना कम नुकसान किया। यह स्पष्ट है कि गोलीबारी बंद करना कौन चाहता था। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे। यह वर्षों से राष्ट्रीय सहमति है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर होगी। पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की एक सूची है जिसे सौंपे जाने की आवश्यकता है और उन्हें आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ये वे वार्ताएं हैं जो संभव हैं। उन्होंने कहा कि हमें वास्तव में बहुत सारा अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिला। हमारे पास संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव था कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें जवाबदेह ठहराया गया।

भारत सरकार ने तुर्की के सेलेबी एयपोर्ट का लाइसेंस किया रद्द

नई दिल्ली. भारत-पाकिस्तान विवाद में इस्लामाबाद के पक्ष में खड़े तुर्की को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। तुर्की की बुकिंग कैंसिल कराई जा रही है। भारत के कई शहरों में तुर्की के विरोध में पुतले भी जलाए जा रहे हैं। लेकिन अब भारत सरकार की तरफ से एक बड़ा एक्शन ले लिया गया है।

नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने गुरुवार को एक तुर्की हवाईअड्डा ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। बीसीएएस की अधिसूचना में कहा गया है बीसीएएस के महानिदेशक को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द की जाती है।

सेलेबी एक तुर्किए की कंपनी है जो भारत में ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएं देती है। यह कंपनी मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद सहित कई प्रमुख हवाई अड्डों पर बैगेज हैंडलिंग, रैंप सर्विस, कार्गो हैंडलिंग जैसी सेवाएं देती रही है। बीसीएएस ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनज़र उठाया गया है। हालांकि, सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

भारतीय धरती पर किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा : राजनाथ सिंह

कहा- यदि पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन जारी रखता है तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

श्रीनगर. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में 15 मई, 2025 को भारतीय सेना के वीर जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को फिर से परिभाषित किया है, जिसके अनुसार अब भारत की धरती पर किए जाने वाले किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने हमेशा शांति को प्राथमिकता दी है और कभी भी युद्ध का समर्थन नहीं किया है, हालांकि, जब इसकी संप्रभुता पर हमला होता है, तो इसका जवाब देना आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन जारी रखता है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ इतिहास में भारत द्वारा की गई सबसे बड़ी कार्रवाई बताया और इसे आतंकवाद को खत्म करने के लिए किसी भी हद तक जाने की देश की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत द्वारा न केवल रक्षा करने, बल्कि जरूरत पड़ने पर साहसिक फैसले लेने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हर सैनिक का सपना था कि हम हर आतंकवादी ठिकाने तक पहुंचेंगे और उन्हें नष्ट करेंगे। हमारी सेना ने अपने गुस्से को सही दिशा दी और पहलगाम का बदला बहुत साहस और सूझबूझ के साथ लिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में छिपे आतंकवादी संगठनों और उनके आकाओं को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वे कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ संकल्प का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेल की धमकी से भारत विचलित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान ने कितनी गैरजिम्मेदारी से कई बार भारत को परमाणु धमकियां दी हैं। उन्होंने कहा कि मैं दुनिया के सामने यह सवाल उठाता हूं: क्या ऐसे गैरजिम्मेदार और दुष्ट देश के हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित हैं? पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में लिया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान आज ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जहां उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से ऋण मांगना पड़ रहा है, जबकि भारत उन देशों की श्रेणी में आता है जो गरीब देशों की मदद करने के लिए आईएमएफ को धन मुहैया कराते हैं।

राजनाथ सिंह ने दोहराया कि सीमा पार से कोई भी अनुचित कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, जो दोनों देशों के बीच बनी सहमति का आधार है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विचारों को दोहराया कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, और अगर बातचीत होगी, तो वह केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर होगी।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 20 मई को सुनवाई करेगा, ताकि यह तय किया जा सके कि वक्फ संपत्तियों की स्थिति और वक्फ परिषद एवं बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने से संबंधित कानून के कुछ प्रावधानों पर किसी अंतरिम रोक की आवश्यकता है या नहीं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाओं को अगले मंगलवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया क्योंकि उन्होंने पहली बार इस मामले की सुनवाई की थी, इससे पहले 5 मई को पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी आसन्न सेवानिवृत्ति के कारण सुनवाई को नए सीजेआई पीठ के पास भेज दिया था। पीठ में न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ताओं की दो घंटे तक सुनवाई करेगी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की अगुआई वाली केंद्र सरकार को इस सीमित मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए दो घंटे का समय देगी कि क्या रोक के संबंध में कोई अंतरिम आदेश पारित करने की आवश्यकता है। फिलहाल शीर्ष अदालत ने केंद्र द्वारा दिए गए आश्वासन को दर्ज किया कि वह 'वक्फ-बाय-यूजर' सहित वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं करेगी और केंद्रीय वक्फ परिषद और वक्फ बोर्डों में कोई नियुक्ति नहीं करेगी। केंद्र ने आगे आश्वासन दिया कि राज्य द्वारा की गई किसी भी नियुक्ति को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा।

13.41 करोड़ की फर्जी आईटीसी जीएसटी चोरी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

लुधियाना. जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय लुधियाना ने 87.91 करोड़ के फर्जी बिलिंग से जुड़े मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। लुधियाना के जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की जांच में पाया गया कि मंडी गोबिंदगढ़ में स्थित तीन व्यापारिक संस्थाएं, मेसर्स आर डी एंटरप्राइजेज, मेसर्स आशी स्टील इंडस्ट्रीज और मेसर्स अभि अलॉयज 87.91 करोड़ रुपये की अवैध बिक्री में शामिल थीं जिसके कारण 13.41 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी हुई। ये व्यापारिक संस्थाएं लोहे और स्टील की वस्तुओं के व्यापार में शामिल थीं। यह मामला दो कार्यालयों उत्तर प्रदेश में डीजीजीआई लखनऊ और पंजाब में डीजीजीआई लुधियाना के बीच अंतर-संगठनात्मक और अंतर-क्षेत्रीय तालमेल के कारण उजागर हुआ है। डीजीजीआई लुधियाना ने रमन कुमार चौरसिया और देविंदर सिंह को 13.41 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी जीएसटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया। उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कर्नल सोफिया पर भद्दा कमेंट करने वाले विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह को भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी के लिए फटकार लगाई। कुरैशी ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को जानकारी दी थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा एक संवैधानिक पद पर रहते हुए आपको कुछ हद तक संयम बरतना चाहिए था, खासकर तब जब देश ऐसी स्थिति से गुजर रहा हो। न्यायालय ने शुक्रवार को कुंवर विजय शाह की उनके खिलाफ प्राथमिकी पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की, लेकिन मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसने भाजपा मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का स्वत: संज्ञान लेते हुए आदेश दिया था। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 14 मई के आदेश को चुनौती देते हुए विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

चुनाव आयोग द्वारा 'आप' के प्रतिनिधिमंडल के साथ विचार-विमर्श : सिबिन सी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के मुख्य चुनाव आयुक्त सिबिन सी ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने आज निर्वाचन सदन, दिल्ली में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के साथ विचार-विमर्श किया। यह बैठक चुनाव आयोग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रधानों के साथ किए जा रहे विचार-विमर्श की श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह बातचीत रचनात्मक विचार-विमर्श की लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करती है कि राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष अपने सुझाव और समस्याएं सीधे तौर पर आयोग के साथ साझा करें। यह पहल सभी हितधारकों के साथ मिलकर मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव प्रक्रिया को और मजबूत करने संबंधी आयोग के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले आयोग ने 6 मई, 2025 को पार्टी अध्यक्ष मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) के साथ मुलाकात की, 8 मई, 2025 को पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (बी.जे.पी.) के साथ, 10 मई, 2025 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव एम.ए. बेबी के साथ और 13 मई, 2025 को नेशनल पीपुल्स पार्टी के पार्टी अध्यक्ष कोनराड संगमा के साथ मुलाकात की। इससे पहले, कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें की गई हैं, जिनमें मुख्य चुनाव अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, डी.ई.ओज़ द्वारा 800 और ई.आर.ओज़ द्वारा 3879 बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

उद्योग मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने पंजाब सरकार के फैसले को बताया ऐतिहासिक

बॉयलरों की स्थापना के लिए नई योजना की घोषणा

सौंद ने कहा- पराली का स्थायी समाधान, किसानों की आय में वृद्धि और उद्योगों के लिए होगी लाभकारी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला करते हुए धान की पराली-आधारित बॉयलरों की स्थापना के लिए कैपिटल सब्सिडी की एक नई योजना की घोषणा की है। इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी, पराली प्रबंधन भी होगा, पर्यावरण भी प्रदूषित नहीं होगा और सबसे बड़ी बात पंजाब के उद्योगों को भी इससे लाभ होगा।

स्थानीय पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि धान की पराली-आधारित बॉयलरों की स्थापना के लिए कैपिटल सब्सिडी देने का फैसला 13 फरवरी, 2025 को हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया था। इस संबंध में अधिसूचना 20 फरवरी, 2025 को जबकि सब्सिडी देने के नियमों के बारे में पत्र 23 अप्रैल, 2025 को जारी हुआ। उन्होंने बताया कि जो मौजूदा

उद्योग तेल या किसी अन्य बायोमास आधारित ईंधन का उपयोग कर रहे हैं, यदि वे धान की पराली-आधारित नए बॉयलरों की स्थापना करते हैं तो 1 करोड़ रुपये प्रति 8 टन प्रति घंटा बॉयलर या वास्तविक खर्च का 33 प्रतिशत, जो भी कम हो, की सब्सिडी मिलेगी। इसकी उच्चतम सीमा 5 करोड़ रुपये प्रति यूनिट है। उन्होंने आगे बताया कि मौजूदा उद्योग यदि बॉयलरों का पराली-आधारित अपग्रेड करते हैं तो उन्हें पूंजी सब्सिडी 50 लाख रुपये प्रति 8 टन प्रति घंटा बॉयलर या वास्तविक खर्च का 33%, जो भी कम हो, की सब्सिडी मिलेगी। इसकी उच्चतम सीमा ढाई करोड़ रुपये प्रति यूनिट है। उन्होंने कहा कि अधिक क्षमता वाले बॉयलरों को भी आनुपातिक तौर पर सब्सिडी का भुगतान किया जाएगा। उद्योग मंत्री ने आगे बताया कि विभाग के अनुमान के मुताबिक पंजाब के 500 से 600 उद्योग इस नीति के माध्यम से सब्सिडी प्राप्त करने के योग्य होंगे और लुधियाना के उद्योग को इसका बड़ा फायदा होगा क्योंकि वहां बॉयलर आधारित उद्योग बहुत अधिक है।

किसान भूजल बचाने और आय बढ़ाने के लिए धान की सीधी बुआई योजना का करें उपयोग : सीएम मान

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). भूजल की 15 से 20 प्रतिशत बचत करने के उद्देश्य से एक और कदम उठाते हुए पंजाब सरकार ने आज धान की सीधी बुआई की शुरुआत की, जो किसानों की आय में बड़े वृद्धि के अलावा भूजल के गिरते स्तर को बचाने के लिए प्रेरक के रूप में काम करेगी। यहां जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य इस खरीफ सीजन के दौरान पांच लाख एकड़ रकबे को धान की सीधी बुआई के तहत लाना है। मान ने कहा कि यह उनके लिए बेहद गर्व और संतोष की बात है कि राज्य सरकार धान की सीधी बुआई करने वाले किसानों को 1500 रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय मदद दे रही है। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस उद्देश्य के लिए 40 करोड़ रुपये का बजट भी रखा है। उन्होंने कहा कि इच्छुक किसान धान की सीधी बुआई के लिए 10 मई से 30 जून 2025 तक ऑनलाइन पोर्टल agrimachinerypb.com पर रजिस्टर कर सकते हैं।

खुद को नई स्किल से अपडेट करने से ही करियर में वापसी होगी मुमकिन

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

WEATHER **जहां करियर से लंबा ब्रेक महिलाओं की मजबूरी है, वही करियर में दोबारा वापसी एक बड़ी चुनौती। ऐसे में अपने स्किल्स में इजाफा करना आपके करियर को नए पंख जरूर दे सकता है। कैसे करें खुद को अपस्किल जाने एक्सपर्ट की राय...**

कहते हैं सीखने की कोई उम्र नहीं होती। और सीखना तब ज्यादा जरूरी हो जाता है, जब बात अस्तित्व की हो। एक महिला का जीवन चारदीवारी के बाहर भी होता है। पर, घर के बाहर की ओर नजर डालें तो स्थितियां अभी भी चुनौतीपूर्ण ही हैं क्योंकि हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में बेहद कम नजर आती है। इसका एक बड़ा कारण है घर की जिम्मेदारी। घर संभालने और बच्चों की देखरेख के लिए अधिकांश कामकाजी महिलाओं को अपने काम से ब्रेक लेना ही पड़ता है।

कई लोगों के लिए यह छुट्टी आजीवन हो जाती है। जो वापस आना चाहती हैं, उनके लिए राहें आसान नहीं होती क्योंकि चार-पांच साल का करियर गैप और उस बीच उद्योग में आए बदलाव उनकी वापसी की राह कठिन कर देते हैं। एक अध्ययन बताता है कि भारत में कामकाजी महिलाओं का आंकड़ा केवल 25 प्रतिशत है, जिसमें भी अकसर बच्चों की देखरेख के चलते काम छोड़ने वाली महिलाओं में से करीब 60-70 प्रतिशत की वापसी वर्क फोर्स में नहीं होती है। हालांकि अच्छी बात यह है कि कुछ महिलाओं को अब इसका अहसास होने लगा है। और काम पर वापसी के लिए वह खुद को नए दौर के लिए तैयार भी करने लगी हैं। एक ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मानें तो कोविड महामारी के बाद करीब 53 प्रतिशत महिलाएं अब उनके अलग-अलग कोर्स में दाखिल ले रही हैं।

यह आंकड़ा महामारी से पहले के आंकड़े का दोगुना है। लिंक्डइन के ट्रेंड पर नजर डालें तो पिछले कुछ समय में नौकरी की दुनिया में छोटे-छोटे स्किल्स की मांग बढ़ी है। ऐसे में ऐसे शॉर्ट टर्म कोर्स करके खुद को बेहतर बनाना और नई दुनिया के लिए खुद को तैयार करना आपके करियर को नए पंख दे सकता है। अगर आप अभी भी कामकाजी हैं, तब भी अपस्किल आपके करियर को उड़ान देगी।

सीखना जारी रखें

माना की जिम्मेदारियां कम नहीं हैं, लेकिन यह बात भी ध्यान में रखें कि समय तेजी से बदल रहा है। ऐसे में आपका भी सीखना जारी रखना बेहद जरूरी है। करियर काउंसलर जितिन चावला कहते हैं कि चाहे आप नौकरी कर रही हैं या फिर ब्रेक के बाद वापसी कर रही हैं, आपको जमाने के हिसाब से ही चलना होगा। दौर टेक्नोलॉजी का है और जो इसमें पीछे हो गया, वह पिछड़ता चला जाएगा। आप ऐसा नहीं चाहतीं तो अपने क्षेत्र को समझें, उसमें आने वाले बदलावों को भांपें और खुद को तैयार करें। सीखने के लिए ऑनलाइन कई प्लेटफॉर्म हैं, जो आपकी राह आसान बनाते हैं। इसके अलावा कुछ जाने-माने संस्थान भी समय-समय पर शॉर्ट टर्म कोर्स निकालते हैं। ऐसी जगह से कोर्स करने पर

आप खुद को और बेहतर दर्शा सकती हैं। इनका लाभ उठाएं और अपने रेज्यूमे को और बेहतर बनाएं।

इंटर्नशिप का लाभ उठाएं

अगर आपके हाथ में किसी तरह का काम नहीं है तो नौकरी में वापसी के लिए इंटर्नशिप आपकी मदद कर सकता है। इसकी जानकारी जॉब पोर्टल पर आसानी से मिल जाएगी। यहां तक कि सरकार भी कई बार इंटर्नशिप प्रोग्राम निकालती है। कई बार इसमें उम्र की सीमा निर्धारित होती है, लेकिन हर प्रोग्राम में ऐसा नहीं होता। आप अपने क्षेत्र में ऐसे प्रोग्राम तलाशें और काम पर वापसी की तैयारी करें। इंटर्नशिप से आप कार्यक्षेत्र के नएपन को तो समझ ही पाएंगी, साथ ही उसी संस्थान में आपके लिए नौकरी की संभावना भी खुल सकती है। यह एक तरह से बिना पैसे लगाए कोई कोर्स करने जैसा ही हुआ। कुछ इंटर्नशिप नि:शुल्क होती हैं, वहीं कुछ में पैसे मिलते हैं।

बदलते दौर को समझें

करियर का मतलब सिर्फ नौकरी नहीं है। अब समय स्टार्टअप का भी है। आपका करियर किसी भी क्षेत्र का रहा हो, लेकिन नए स्किल सीखकर भी आप खुद के लिए कई संभावनाएं बना सकती हैं। ऑनलाइन ऐसे कई प्लेटफॉर्म हैं, जो महिलाओं को इसके लिए तैयार कर रहे हैं। मान लीजिए आप पहले एचआर में काम करती थीं, लेकिन अब कॉर्पोरेट में वापसी नहीं हो पा रही। ऐसे में निराश होने की जगह आप ऑनलाइन आर्ट सीखकर किसी स्कूल में आर्ट टीचर बन सकती हैं या खुद का आर्ट बिजनेस शुरू कर सकती हैं। यहां तक कि ऐसे कई कोर्स भी हैं, जिन्हें करने के बाद आप खुद ऑनलाइन पढ़ा सकती हैं। इस काम में पंखुड़ी, मॉम्सप्रेसो, द गुड ग्लैम ग्रुप जैसे ऐप आपकी मदद करेंगे।

RELATIONSHIP TIPS

रिश्ते में बनाए रखना है प्यार और अपनापन तो सीखें पार्टनर से सॉरी कहने का सही तरीका

आप अपने रिश्ते में बार-बार प्यार जताती हैं, पर गलती होने पर उतनी ही आसानी से क्या माफी भी मांग लेती हैं? बहस या लड़ाई के बाद खुद की सोच से समझौता किए बिना साथी से माफी मांगने का क्या है सही तरीका...

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

किसी भी सेलिब्रिटी का उनके आपसी संबंधों पर केंद्रित इंटरव्यू देख लीजिए, उनसे अकसर एक सवाल जरूर पूछा जाता है। सवाल है कि बहस या लड़ाई होने पर पहले माफी कौन मांगता है? माफी मांगने को अधिकांश लोग अपने अहम से जोड़ लेते हैं और यही वजह है कि गलत होने के बावजूद वे माफी मांगने से कतराते हैं। वहीं कुछ लोग बिना किसी लाग-लपेट के आसानी से माफी मांग लेते हैं। माफी मांगने से जुड़ी इस आदत की नींव बचपन से ही हमारी जिंदगी में पड़ जाती है, जब कुछ गलती होने पर अभिभावक जबरदस्ती सामने वाले से माफी मांगने के लिए कहते हैं। उम्र में उन पड़ाव में भी कुछ बच्चे झट से माफी मांग लेते हैं, वहीं कुछ अभिभावक से डांट या मार खा लेते हैं, पर माफी नहीं मांगते हैं।

दोस्त, जीवनसाथी या फिर परिवार के किसी सदस्य के साथ बहस होना बेहद आम बात है। बहस सबके सामने हुई हो फिर बंद दरवाजे के भीतर, सही तरीके से माफी मांगने की कला आने से जिंदगी में प्रभावी तरीके से आगे बढ़ना आसान हो जाता है। मैनहटन मेंटल हेल्थ नाम की संस्था में मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट स्टीफन एल. बुचवाल्ड के मुताबिक एक मनुष्य के रूप में हम सब कुछ लोगों के साथ गहरा कनेक्शन स्थापित करना चाहते हैं, पर अकसर हमारा अहम इस संबंध को बनाने के बीच आड़े आ जाता है। किसी से माफी मांगने का यह मतलब नहीं है कि सामने वाला महान है और हम तुच्छ। सही तरीके से माफी मांगने से न सिर्फ रिश्ते के बीच पनपी खाई पटती है बल्कि वह आपसी घाव भी भरता है, जो दोनों पक्षों को इतने वक्त से नासूर की तरह चुभ रहा था। माफी मांगना दरअसल सामने वाले के साथ-साथ खुद की भावनाओं का भी सम्मान करना है। प्रभावी तरीके से माफी मांगने के निम्न तरीके हैं :-

सोचने का लीजिए वक्त

साथी या दोस्त से किसी बात को लेकर आपकी तीखी बहस हुई। गुस्से में आपने सामने वाले को खूब उल्टा-सीधा सुना दिया। पर, क्या आप बहस खत्म होते ही सामने वाले से तुरंत माफी भी मांग लेती हैं? जवाब अगर हां, तो अपनी इस आदत को बदलिए। थोड़ा ठहिरए। अपनी भावनाओं को समझिए। उसके बाद सामने वाले से माफी मांगिए। लड़ाई या बहस होते ही तुरंत माफी मांगने से सामने वाले को यह लग सकता है कि आप मन से माफी नहीं मांग रही हैं बल्कि इसलिए माफी मांग रही हैं कि यह बला टल जाए और माहौल सामान्य हो जाए।

तुम की जगह मैं का इस्तेमाल

माफी मांगते वक्त सामने वाले को नीचा दिखाने की कोशिश करने की गलती कभी न करें। सामने वाले में नुक्स निकालना आपका लक्ष्य नहीं है। तो ऐसे में माफी मांगते वक्त 'तुम कुछ भी उल्टा-पुल्टा बोलते जा रहे थे' की जगह यह कहें कि हमारी बातचीत के दौरान मैं अपनी भावनाओं को सही तरीके से संभाल नहीं पाई। इससे सारा ध्यान एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने की जगह भावनाओं पर रहेगा और सामने वाले को यह महसूस होगा कि आप वाकई दिल से माफी मांग रही हैं।

ठीक नहीं जरूरत से ज्यादा माफी

कई दफा रिश्तों में जो व्यक्ति थोड़ा कमजोर होता है, वह अपनी गलती नहीं होने की स्थिति में भी लगातार और बार-बार माफी मांगता है। माफी मांगना एक भावना है और यह भी संतुलन की मांग करता है। माफी मांगने की प्रक्रिया सार्थक होनी चाहिए, अत्यधिक नहीं। बहुत ज्यादा माफी मांगने से सामने वाले को यह लग सकता है कि आप आसानी से अपने घुटने टेक देती हैं।

पेश कीजिए समाधान

लड़ाई हुई, आप दोनों में से किसी से ने माफी मांगी और जिंदगी की गाड़ी दोबारा चल पड़ी। पर, क्या कुछ दिनों बाद आप दोनों उसी मुद्दे पर लड़ पड़े? जवाब अगर हां है, तो बेहतर होगा कि सही मौका देखकर आप सामने वाले के समक्ष उस समस्या का समाधान पेश करें ताकि दोबारा उस मुद्दे पर बहस न हो। मसलन आप कह सकती हैं कि 'अगली दफा ऐसी स्थिति आने पर हम कुछ देर के लिए एक-दूसरे से बातचीत बंद कर देंगे क्योंकि इस तरह से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला कभी खत्म नहीं होगा।' आपका यह कदम यह दर्शाएगा कि आप अपनी ओर से सकारात्मक कदम उठाने के लिए तत्पर हैं।

भावनाओं की कीजिए कद्र

अगर आपको वाकई अपने किए पर पछतावा हो रहा है, तो सामने वाले को सिर्फ 'मुझे माफ कर दो' कहने की जगह यह कहें कि 'मुझे इस बात का अहसास है कि मेरी बातों से तुम्हें दुख पहुंचा है और भविष्य में ऐसा दोबारा नहीं करने की पूरी कोशिश करूंगी।' इस तरह से माफी मांगने से सामने वाले तक यह संदेश जाएगा कि आप वाकई दिल से माफी मांग रही हैं और साथ ही ऐसा करने से उस मुद्दे को लेकर आपका अपना दृष्टिकोण भी खारिज नहीं होगा।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

घर पर बनाकर खाएं टेस्टी मैंगो मलाई बर्फी मुंह में घुल जाएगी रेसिपी

यह रेसिपी बनाने में आसान और मुंह में जाते ही घुल जाने वाली रेसिपी है। इस बर्फी का स्वाद एक बार चखने वाला इसे बार-बार खाने की डिमांड करता है। तो आइए बिना देर किए जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है मैंगो मलाई...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही रसीले और मीठे आम बाजार की रौनक बढ़ाने लगते हैं। आम ना सिर्फ स्वाद में बेहद लाजवाब होते हैं बल्कि कई तरह के पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं। आम का स्वाद बच्चे से लेकर बड़े लोग इतना पसंद करते हैं कि इसे फल के अलावा कई तरह की स्वादिष्ट डिशेज बनाकर भी खाया जाता है। ऐसी ही एक स्वीट डिश का नाम है मैंगो मलाई बर्फी रेसिपी। यह रेसिपी बनाने में आसान और मुंह में जाते ही घुल जाने वाली रेसिपी है। इस बर्फी का स्वाद एक बार चखने वाला इसे बार-बार खाने की डिमांड करता है। तो आइए बिना देर किए जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है मैंगो मलाई बर्फी रेसिपी।

मैंगो मलाई बर्फी बनाने के लिए सामग्री

- 2 कप आम का पल्प
- 1 कप मावा कद्दूकस किया हुआ
- 1 कप चीनी
- 1/2 कप मिल्क पाउडर
- 1/4 कप घी
- 1/4 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- 8-10 केसर के धागे (दूध में भिगोई हुई)
- 10-12 कटे हुए बादाम और पिस्ता

मैंगो मलाई बर्फी बनाने का तरीका

मैंगो मलाई बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले आम का पल्प तैयार करें। इसके लिए पके हुए आम को छीलकर उनका पल्प निकाल लें। अब इस पल्प को ब्लेंडर में पीसकर उसकी प्यूरी को छलनी से छालकर अलग रख लें। अब एक नॉन-स्टिक पैन में 2 बड़े चम्मच घी गर्म करके उसमें मावा डालकर मीडियम आंच पर 4-5 मिनट तक भूनें, जब तक मावा हल्का सुनहरा रंग का न हो जाए। इसके बाद भुने हुए मावे में आम का पल्प और चीनी डालकर मिश्रण को लगातार चलाते रहें ताकि मिश्रण पैन से चिपके नहीं। मिश्रण को 5-7 मिनट तक पकाएं, जब आपको लगे कि मिश्रण गाढ़ा हो रहा है तो उसमें मिल्क पाउडर, इलायची पाउडर और भिगोए हुए केसर के धागे डालते हुए सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाते हुए मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक यह एक गाढ़ा, चिपचिपा मिश्रण बनकर तैयार ना हो जाए। अगर इस समय जरूरत लगे तो थोड़ा और घी डाल सकते हैं। अब बर्फी को सेट करने के लिए एक ट्रे या प्लेट में घी लगाकर मिश्रण को समान रूप से फैलाएं। इसके बाद मिश्रण के ऊपर से कटे हुए बादाम और पिस्ता छिड़कें। इसे 2-3 घंटे के लिए सामान्य तापमान पर या फ्रिज में सेट होने दें। जब बर्फी सेट हो जाए तो उसे चौकोर या हीरे के आकार में काटें। इसे ठंडा या कमरे के तापमान पर परोसें।

बच्चे से करियर पर बात करने की क्या है सटीक उम्र? जानें सही वक्त और तरीका

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

Parenting

"बड़े होकर क्या बनोगे?" यह सवाल अक्सर बच्चों से पूछा जाता है और वे सुनी-सुनाई बातों को दोहराते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि उनके करिअर पर बात करने का सही समय कब है? करिअर कोच प्रो. विवेक मिश्रा के अनुसार, 12 से 14 साल की उम्र वह दौर होता है जब बच्चे अपनी रुचियों को समझने लगते हैं। ऐसे में सही मार्गदर्शन उनके भविष्य को दिशा दे सकता है।

बड़े होकर क्या बनोगे?

"मैं डॉक्टर बनूंगा", "मैं इंजीनियर बनूंगी" - ये जवाब अकसर बच्चों से सुनने को मिलते हैं। वे अपने आसपास के लोगों से सुनी बातों को दोहराते हैं, या फिर जो उन्हें सिखाया गया है, वही कह देते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि बच्चों से करिअर पर बात करने का सही वक्त कब होता है?

करिअर पर बात की सही उम्र

करिअर कोच प्रो. विवेक मिश्रा के अनुसार, जब बच्चा आठवीं कक्षा में पहुंचता है यानी उसकी उम्र 12 से 14 साल होती है, तब वह अपने रुचियों और क्षमताओं को समझने लगता है। यह वह समय होता है जब बच्चा अपने झुकाव को गहराई से महसूस करता है। ऐसे समय में माता-पिता को चाहिए कि वे उसके साथ खुलकर बात करें, लेकिन बिना किसी दबाव के। जरूरी है कि आप मार्गदर्शन करें, न कि अपनी इच्छा थोपें।

सही समय पर करें संवाद

बात करने का समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना विषय। किसी शांत समय का चयन करें, जब आप दोनों तनावमुक्त हों। अगर बच्चा बात करने को तैयार नहीं है, तो उसे जबरदस्ती न करें। ऐसे मौके तलाशें जब बातचीत सहज हो, जैसे यात्रा के दौरान। इस समय बच्चे खुलकर बोल सकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि आप उन पर पूरा ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सवाल कैसे करें?

बातचीत की शुरुआत सीधे करिअर जैसे भारी विषय से नहीं करें। हल्के-फुल्के सवालों से शुरू करें, जैसे - "अगर तुम्हें कोई भी नौकरी चुननी हो तो क्या चुनते?" या "स्कूल खत्म होने के बाद क्या करना चाहोगे?" इससे बच्चा असहज नहीं महसूस करेगा और खुलकर बोलेगा।

त्रिकोण का महत्व

करिअर तय करते समय तीन बातों का ध्यान रखें - रुचि, क्षमता और अवसर। यह करिअर त्रिकोण बच्चों को सही दिशा देने में मदद करता है और उन्हें कभी पछतावा नहीं होने देता।

गर्मियों में गर्म नहीं पिएं ठंडा दूध, वेट लॉस, मिलेगी सॉफ्ट निखरी त्वचा

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

HEALTH **गर्मियों में दूध को ठंडा करके पीने से गर्मी में शरीर को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। ठंडा दूध पीकर आप ना सिर्फ आप अपना बढ़ता वजन कम कर सकते हैं बल्कि चेहरे की सॉफ्टनेस बनाए रखकर पाचन को भी दुरुस्त...**

दूध को एक संपूर्ण आहार माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें शरीर के लिए जरूरी सभी आवश्यक प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन्स और खनिज जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यही वजह है कि बढ़ते बच्चों की हड्डियों को मजबूत रखने के लिए डॉक्टर उन्हें सुबह-शाम दूध पीने की सलाह देते हैं। दूध में मौजूद कैल्शियम और विटामिन डी हड्डियों के विकास और मजबूती के लिए बहुत जरूरी होते हैं। सेहत के लिए दूध पीने के फायदों के बारे में तो ज्यादातर लोग जानते हैं लेकिन क्या आप यह भी जानते हैं कि गर्मियों में इसे पीने का सही तरीका क्या है। तो आपको बता दें, गर्मियों में ठंडा दूध पीने से ना सिर्फ आप अपना बढ़ता वजन कम कर सकते हैं बल्कि चेहरे की सॉफ्टनेस बनाए रखकर पाचन को भी दुरुस्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं गर्मियों में ठंडा दूध पीने से सेहत को क्या फायदे मिलते हैं।

गर्मियों में ठंडा दूध पीने से सेहत को मिलते हैं ये फायदे

बॉडी रखें हाइड्रेट

गर्मियों में पसीना अधिक बहने के कारण शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में ठंडे दूध में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे पोटैशियम और सोडियम डिहाइड्रेशन की समस्या को रोककर शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं।

पोषक तत्वों का भंडार

दूध में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन डी, और विटामिन बी12 जैसे आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ठंडा दूध पीने से हड्डियां मजबूत होती हैं, मांसपेशियां स्वस्थ रहती हैं, और प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत बनी रहती है।

पाचन में सुधार

गर्मियों में ठंडा दूध का सेवन पेट को ठंडक देकर पाचन को बेहतर बनाता है। जिससे व्यक्ति को एसिडिटी और गैस जैसी समस्याएं भी कम परेशान करती हैं।

वेट लॉस

दूध में मौजूद लैक्टोज की मात्रा शरीर को तुरंत ऊर्जा देती है। जिससे गर्मियों में थकान और कमजोरी को दूर करने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं ठंडा दूध पीने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। बता दें, दूध में कैल्शियम की भरपूर मात्रा मौजूद होती है, जो बॉडी मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाए रखकर कैलोरीज बर्न करने में मदद करती है। जिससे वेट लॉस में भी मदद मिलती है।

त्वचा के लिए लाभकारी

ठंडा दूध पीने से त्वचा हाइड्रेटेड बनी रहती है, जिससे गर्मी की वजह से होने वाली त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे रैशेज और ड्राईनेस जैसी समस्याएं कम परेशान करती हैं। दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को मुलायम बनाए रखता है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

पीएम मोदी का राष्ट्र को संबोधन, आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था इसलिए भारत ने आतंक के मुख्यालय को ही उजाड़ दिया

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया, जिसमें उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत की सैन्य और रणनीतिक शक्ति का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में देश ने भारत की ताकत और संयम दोनों को देखा है। यह समय भारत के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुआ है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत की सशस्त्र सेनाओं, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए उन्हें देश के प्रत्येक नागरिक की ओर से सलाम किया। उन्होंने विशेष रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में भारतीय सैनिकों द्वारा प्रदर्शित साहस, समर्पण, धैर्य और वीरता को राष्ट्र की हर मां, बहन और बेटी को समर्पित किया।

पहलगाम हमला : देश की आत्मा पर वार

2 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने उसे "आतंक का वीभत्स प्रदर्शन" बताया। उन्होंने कहा कि यह हमला किसी सैन्य ठिकाने पर नहीं, बल्कि सीधे-सीधे भारत की आत्मा, उसकी सांप्रदायिक सौहार्द और मानवता पर किया गया था। आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों को उनके परिवारों और बच्चों के सामने उनकी आस्था के आधार पर चुन-चुनकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। प्रधानमंत्री ने इस घटना पर गहरी व्यक्तिगत पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि इसने पूरे देश को झकझोर दिया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि इस अमानवीय कृत्य के बाद देश एकजुट हो गया - हर नागरिक, हर समुदाय, हर राजनीतिक दल - सभी ने एक सुर में आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग की। इसके बाद सरकार ने सशस्त्र बलों को पूरी स्वतंत्रता दी कि वे इस चुनौती का समुचित उत्तर दें।

ऑपरेशन सिंदूर : भारत की निर्णायक प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि यह करोड़ों भारतीयों की भावनाओं की अभिव्यक्ति है।" 6-7 मई को इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान के भीतर स्थित आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से सटीक हमले किए। बहावलपुर और मुरीदके जैसे स्थान जो दशकों से आतंकवाद की नर्सरी रहे हैं, भारत के निशाने पर थे।

प्रधानमंत्री ने खुलासा किया कि इन हमलों में 100 से अधिक खतरनाक आतंकियों का खात्मा हुआ, जिनमें कई ऐसे नाम शामिल थे जो वर्षों से भारत के खिलाफ साजिशों के केंद्र में रहे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने उन आतंकियों को भी निशाना बनाया, जिन्होंने महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने की हिम्मत

की थी। "जब हमारे देश की बेटियों का अपमान होता है, तब भारत चुप नहीं रहता," उन्होंने कहा।

पाकिस्तान की बौखलाहट और जवाबी कार्रवाई

भारत की इस निर्णायक कार्रवाई से पाकिस्तान में हड़कंप मच गया। प्रधानमंत्री ने बताया कि पाकिस्तान ने बौखलाहट में भारतीय स्कूलों, मंदिरों, गुरुद्वारों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारत की अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों ने उनके मिसाइल और ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया।

इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर और गहराई से जवाबी कार्रवाई की। भारतीय मिसाइलों और ड्रोन ने उनके प्रमुख एयरबेस को गंभीर नुकसान पहुंचाया, जिससे पाकिस्तान के रणनीतिक ढांचे की पोल खुल गई। मोदी ने कहा, "पाकिस्तान ने सोचा था कि वह भारत को डरा सकता है, लेकिन उसे हमारी सटीक और विनाशकारी क्षमता का अंदाजा नहीं था।"

पाकिस्तान की अपील और भारत की रणनीतिक विराम

प्रधानमंत्री ने खुलासा किया कि 10 मई को पाकिस्तान की सेना ने भारत से संपर्क किया और तनाव कम करने की अपील की। तब तक भारत आतंक के ढांचे को काफी हद तक नष्ट कर चुका था। मोदी ने बताया कि पाकिस्तान ने अपने अनुरोध में यह आश्वासन दिया कि वह भारत के खिलाफ सभी आतंकवादी गतिविधियों को रोक देगा।

भारत ने इस पर विचार कर अपने हमलों को अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया, लेकिन प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कोई अंतिम निर्णय नहीं है। उन्होंने कहा, "हम पाकिस्तान के हर कदम पर नजर रखेंगे और भविष्य की कार्रवाई उसकी प्रतिबद्धताओं पर निर्भर करेगी।"

भारत की नई सुरक्षा नीति और तीन स्तंभ

प्रधानमंत्री ने भारत की सुरक्षा नीति के तीन मजबूत स्तंभों की बात की :-

- निर्णायक कार्रवाई : भारत अब आतंकवादी हमलों का जवाब अपनी शर्तों पर देगा और आतंकी ठिकानों को जड़ से समाप्त करेगा।
- एटॉमिक ब्लैकमेल को खारिज करना: भारत अब परमाणु धमकियों से नहीं डरता। पाकिस्तान द्वारा एटॉमिक शील्ड की आड़ में आतंक फैलाना अब नहीं चलेगा। जीरो टॉलरेंस फॉर टेररिज्म: भारत आतंकवाद के प्रति अब किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरतेगा।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में एक निर्णायक बदलाव है, जो देश की नई नीति बन चुकी है। यह केवल सैन्य सफलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय इच्छा शक्ति की जीत भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में एक निर्णायक बदलाव है, जो देश की नई नीति बन चुकी है। यह केवल सैन्य सफलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय इच्छा शक्ति की जीत भी है।

मेड इन इंडिया रक्षा शक्ति का उदय

प्रधानमंत्री ने गर्व के साथ बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत द्वारा निर्मित रक्षा उपकरणों ने निर्णायक भूमिका निभाई। यह भारत की आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की सफलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया देख रही है कि 'मेड इन इंडिया' रक्षा प्रौद्योगिकी अब 21वीं सदी के युद्धों में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता है। उन्होंने कहा कि यह समय युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। "आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, एक बेहतर और सुरक्षित विश्व की गारंटी है।" उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की सेना और सरकार ने दशकों तक आतंक को प्रायोजित किया है, और अब वे अपने ही पाले हुए आतंक से घिरते जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि आतंकवाद को पनाह देना अब उनके पतन का कारण बनेगा।

अंत में...

प्रधानमंत्री ने भगवान बुद्ध के शांति और करुणा के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत शांति में विश्वास रखता है, लेकिन जब बात अपने नागरिकों और उनकी गरिमा की सुरक्षा की आती है, तो भारत निर्णायक कार्रवाई से पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा, "भारत अब रुकता नहीं, झुकता नहीं - आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का युग अब शुरू हो चुका है।"

ऑपरेशन सिंदूर : आधुनिक युद्ध में एक निर्णायक जीत

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को पूरी तरह से समाप्त घोषित नहीं किया है। अभी जो मौजूद है, वह ऑपरेशन में एक संवेदनशील ठहराव है - कुछ लोग इसे युद्ध विराम कह सकते हैं, लेकिन सैन्य नेतृत्व ने जानबूझकर इस शब्द से परहेज किया है। युद्ध लड़ने के दृष्टिकोण से, यह केवल एक विराम नहीं है; यह एक दुर्लभ और स्पष्ट सैन्य जीत के बाद एक रणनीतिक पकड़ है।

केवल चार दिनों की सुविचारित सैन्य कार्रवाई के बाद, यह वस्तुनिष्ठ रूप से निर्णायक है: भारत ने एक बड़ी जीत

जालंधर ब्रीज

जॉन स्पेंसर
(अर्बन वारफेयर इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक हैं। वे अंडरस्टैंडिंग अर्बन वारफेयर के सह-लेखक हैं।)

हासिल की। ऑपरेशन सिंदूर ने अपने रणनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे निकलने में सफल रहा है- आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना, सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन करना, निवारक क्षमता बहाल करना और एक नए राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत का सामने आना। यह प्रतीकात्मक शक्ति नहीं थी। यह निर्णायक शक्ति थी, जिसे स्पष्ट रूप से प्रयोग में लाया गया था।

भारत पर हमला हुआ। 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 26 भारतीय नागरिक, जिनमें ज़्यादातर हिंदू पर्यटक थे का नरसंहार कर दिया गया। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के एक सहयोगी संगठन, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इसकी जिम्मेदारी ली। जैसा कि दशकों से होता आया है, इस समूह को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) का समर्थन प्राप्त है।

लेकिन पिछले हमलों के विपरीत, इस बार भारत ने इंतज़ार नहीं किया। उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की अपील नहीं की या राजनयिक विरोध पत्र जारी नहीं किया। इसने युद्धक विमान लॉच किए।

7 मई को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरु किया, जो एक त्वरिक और सटीक रूप से सुविचारित सैन्य अभियान था। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय और ऑपरेशन हब शामिल थे। संदेश स्पष्ट था पाकिस्तानी धरती से शुरु होने वाले आतंकवादी हमलों को अब युद्ध के कृत्यो के रूप में माना जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नये सिद्धांत को स्पष्ट कर दिया: "भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में विकसित हो रहे आतंकवादी ठिकानों पर सटीक और निर्णायक हमला करेगा।"

यह केवल एक जवाबी कार्रवाई से कही अधिक, एक रणनीतिक सिद्धांत का अनावरण था। जैसा कि नरेन्द्र मोदी ने कहा, "आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।"

ऑपरेशन सिंदूर को जानबूझकर निम्नलिखित चरणों में क्रियान्वित किया गया :

- 7 मई: पाकिस्तानी क्षेत्र में गहराई नौ सटीक हमले किए। लक्ष्यों में बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद और अन्य स्थानों पर स्थित प्रमुख आतंकी प्रशिक्षण शिविर और लॉजिस्टिक्स नॉड शामिल थे।
- 8 मई: पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमाने पर बहुत सारे ड्रोनों से जवाबी हमला किया। भारत के बहुस्तरीय वायु रक्षा नेटवर्क- स्वदेशी रूप से निर्मित तथा इजरायली और रूसी प्रणालियों द्वारा संवर्धित ने उनमें से लगभग सभी को निष्प्रभावी कर दिया।
- 9 मई : भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य हवाई अड्डों और यूएवी समन्वय केंद्रों पर अतिरिक्त हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की।
- 10 मई: गोलीबारी पर अस्थायी रोक लग गई। भारत ने इसे युद्धविराम नहीं कहा। भारतीय सेना ने इसे "गोलीबारी का ठहराव" कहा - एक अर्थपूर्ण लेकिन जानबूझकर किया गया विकल्प जिसने स्थिति पर अपने रणनीतिक नियंत्रण को मजबूत किया।

यह केवल सामरिक सफलता नहीं थी। यह लाइव फायर के तहत सिद्धांत का निष्पादन था।

प्राप्त रणनीतिक प्रभाव

एक नई लक्ष्मण रेखा खींची गई- और लागू की गई

पाकिस्तान की धरती से होने वाले आतंकी हमलों का अब सैन्य बल से जवाब दिया जाएगा। यह कोई धमकी नहीं है। यह एक मिसाल है।

सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन

भारत ने पाकिस्तान में किसी भी लक्ष्य पर इच्छानुसार हमला करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया- आतंकवादी ठिकाने, ड्रोन समन्वय केंद्र, यहां तक कि एयरबेस भी। इस बीच, पाकिस्तान भारत के अंदर एक भी सुरक्षित क्षेत्र में घुसपैठ करने में असमर्थ रहा। यह समानता नहीं है। यह भारी श्रेष्ठता है। और इसी तरह वास्तविक निवारक क्षमता स्थापित होती है।

बहाल की गई निवारक क्षमता

भारत ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की, लेकिन पूर्ण युद्ध से पहले ही रुक गया। नियंत्रित वृद्धि ने एक स्पष्ट निवारक संकेत भेजा: भारत जवाब देगा, और वह गति को नियंत्रित करता है।

प्रतिपादित रणनीतिक स्वायत्तता

भारत ने इस संकट को अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग किए बगैर इस संकट को संभाला। इसने संप्रभु साधनों का उपयोग करते हुए संप्रभु शर्तों पर सिद्धांत लागू किया।

ऑपरेशन सिंदूर का कब्ज़े या शासन परिवर्तन के बारे में नहीं था। यह विशिष्ट उद्देश्यों के लिए किया गया सीमित युद्ध था। जो आलोचक तर्क देते हैं कि भारत को और आगे जाना चाहिए था, वे मुद्दे को समझ नहीं पाए। रणनीतिक सफलता विनाश के पैमाने के बारे में नहीं है - यह वांछित राजनीतिक प्रभाव प्राप्त करने के बारे में है।

भारत बदला लेने के लिए नहीं लड़ रहा था। वो प्रतिरोध के लिए लड़ रहा था। और यह काम कर गया।

भारत का संयम कमजोरी नहीं है - यह परिपक्वता है। इसने लागत लगाई, सीमाओं को फिर से परिभाषित किया, और वृद्धि प्रभुत्व बनाए रखा। भारत ने सिर्फ़ हमले का जवाब नहीं दिया। इसने रणनीतिक समीकरण बदल दिया।

एक ऐसे युग में जहां कई आधुनिक युद्ध खुलेआम कब्ज़े या राजनीतिक भ्रम में बदल जाते हैं, ऑपरेशन सिंदूर इससे अलग है। यह अनुशासित सैन्य रणनीति का प्रदर्शन था : स्पष्ट लक्ष्य, संरेखित तरीके और साधन, और अप्रत्याशित वृद्धि के सामने अनुकूल निष्पादन। भारत ने एक झटके को झेला, अपने उद्देश्य को परिभाषित किया, और उसे प्राप्त किया- यह सब एक सीमित समय सीमा के भीतर।

ऑपरेशन सिंदूर में बल का प्रयोग भारी, लेकिन नियंत्रित था - सटीक, निर्णायक और बिना किसी हिचकिचाहट के आधुनिक युद्ध में इस तरह की स्पष्टता दुर्लभ है। "हमेशा के लिए...

आतंकवाद से निपटने के लिए मोदी सिद्धांत की झलक

• **जालंधर ब्रीज .** *नई दिल्ली*

पहलगाम में हुआ नरसंहार केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला नहीं था- यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने आतंकवाद-रोधी कार्रवाई की नियम पुस्तिका के पुनर्लेखन का निर्णय लिया। ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की रक्षा के लिए मोदी सरकार की न बर्दाश्त करने और कोई समझौता नहीं करने की नीति यानी मोदी सिद्धांत की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है।

***प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टेलीविजन पर राष्ट्र** के नाम संबोधन में आतंकवाद से निपटने के लिए अपने इस सिद्धांत की रूपरेखा प्रस्तुत की। हाल की घटनाओं के आधार पर निर्मित यह सिद्धांत आतंकवाद और बाहरी खतरों पर भारत की प्रतिक्रिया के लिए निर्णायक तौर-तरीके निर्धारित करता है।*

प्रधानमंत्री मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर आतंकी शिविरों पर सैन्य प्रहार शुरू करने तक का हर कदम सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और समयबद्ध तरीके से उठाया जाए और संचालित हो। इस संदर्भ में सरकार ने उत्तेजना में कार्रवाई करने के बजाय रणनीतिक रूप से कार्रवाई के रास्ते को चुना। इससे पाकिस्तान और आतंकी समूह भारत की प्रतिक्रिया का अनुमान नहीं लगा सके। साथ ही, ऑपरेशन सिंदूर को आश्चर्यजनक तरीके से, सटीकता और पूर्ण प्रभाव के साथ अंजाम देना भी सुनिश्चित हो सका।

नई सामान्य स्थिति है ऑपरेशन सिंदूर

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि "ऑपरेशन सिंदूर अब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भारत की औपचारिक नीति को व्यक्त करता है। यह भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतीक है।" उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने आतंकवाद-रोधी उपायों का नया मानक स्थापित किया है जो नई सामान्य स्थिति को प्रकट करता है।

प्रधानमंत्री ने संबोधन में यह भी कहा कि, "ऑपरेशन सिंदूर केवल एक नाम नहीं है, बल्कि यह देश के लाखों लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है।" इसके माध्यम से दुनिया को भारत की ओर से यह संदेश दिया गया है कि बर्बरता का सामना संतुलित और सटीक बल प्रयोग से किया जाएगा। आतंकवाद के साथ पड़ोसी देश की सांठ-गांठ अब कूटनीतिक आवरण या परमाणु हथियारों की धमकियों से जुड़ी बयानबाजी के पीछे नहीं छिप सकेगी।

मोदी सिद्धांत के तीन स्तंभ

इस सिद्धांत के पहले प्रमुख स्तंभ में आतंकवादी घटनाओं का भारत की शर्तों पर निर्णायक उत्तर निहित है- भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले का भारत की शर्तों पर ही करारा जवाब दिया जाएगा। देश आतंकवाद की जड़ों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी साजिश रचने वाले और प्रायोजक अपनी करनी का फल अवश्य भुगतें।

इस सिद्धांत का दूसरा स्तंभ परमाणु हथियारों की धमकी देकर डराए जाने के प्रयासों के प्रति शून्य सहनशीलता है। इसका अर्थ है- भारत परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियों या दबाव के आगे बिल्कुल नहीं झुकेगा। इसमें इस बात पर भी बल दिया गया है कि परमाणु हथियारों को ढाल बनाकर आतंकवाद का बचाव करने के किसी भी प्रयास का सटीक और निर्णायक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा।

इस सिद्धांत का तीसरा स्तंभ यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के बीच कोई अंतर नहीं है। ऐसी किसी भी घटना के संबंध में भारत न केवल आतंकवादियों को बल्कि उनके समर्थकों- दोनों को उत्तरदायी ठहराएगा। सिद्धांत में यह स्पष्ट किया गया है कि आतंकवादियों को शरण देने वालों, उन्हें धन देने या उनके लिए धन की व्यवस्था करने वालों या आतंकवाद का समर्थन करने वालों को भी उनके समान ही परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे को वैश्विक संदर्भ में प्रस्तुत किया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने और उनको बढ़ावा देने वाले राष्ट्र अंततः अपना विनाश स्वयं कर लेंगे। उन्होंने उनसे आग्रह किया है कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, वे अपने आतंकवादी ढांचे को नष्ट कर दें। मोदी ने कहा कि नया सिद्धांत राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है और आतंकवाद के विरुद्ध ठोस एवं दृढ़ रुख की नज़ीर पेश करता है।

पीएम ने आदमपुर एयरबेस पर वीर सैनिकों से की मुलाकात 'ऑपरेशन सिंदूर' को बताया नया भारत का संकल्प

• **जालंधर ब्रीज .** आदमपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदमपुर एयरबेस पर भारतीय वायुसेना, थलसेना, नौसेना और सीमा सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात की और उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'भारत माता की जय' अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि हर सैनिक की प्रतिज्ञा बन चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारतीय सेना 'भारत माता की जय' का उद्घोष करती है, तो दुश्मनों का मनोबल टूट जाता है। उन्होंने सैनिकों के साहस को सलाम करते हुए कहा कि आपने न केवल आतंक के अड्डों को नेस्तनाबूद किया, बल्कि देशवासियों के आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया।

ऑपरेशन सिंदूर : भारत की नई नीति का प्रतीक

प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक सामान्य सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की नीति, नीयत और निर्णायक शक्ति का संगम बताया। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह जी को उद्धृत करते हुए कहा, "जब अन्याय बढ़ता है, तो भारत आत्मरक्षा में हथियार उठाने से पीछे नहीं हटता।"

प्रधानमंत्री ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान नौ आतंकी अड्डों को तबाह किया गया और सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को शह देने वाले अब समझ चुके हैं कि भारत की तरफ आंख उठाने का परिणाम केवल "विनाश" होगा।

पाकिस्तान को दिया गया करारा जवाब

प्रधानमंत्री ने इस बात पर गर्व जताया कि हमारे वायु योद्धाओं ने दुश्मन के भीतर जाकर आतंक के अड्डों को नष्ट किया, वह भी इतने सटीक तरीके से कि एक भी नागरिक विमान को क्षति नहीं पहुँची। उन्होंने पाकिस्तान को चेताया कि भारत अब आतंक और उसे शह देने वाली सरकारों में अंतर नहीं करता।

सेनाओं का अद्भुत समन्वय

प्रधानमंत्री ने कहा कि थलसेना ने

सीमाओं को सुरक्षित रखा, नौसेना ने समुद्र में दबदबा कायम किया और वायुसेना ने दुश्मन को चौंकाते हुए आक्रमण और रक्षा दोनों में सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक और 'मेड इन इंडिया' रक्षा प्रणालियों ने भारत की सुरक्षा ढाल को अभेद्य बना दिया है।

नई सोच, नया भारत

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकी हमलों पर अपने तरीके, अपने समय और अपने शर्तों पर जवाब देगा।

उन्होंने कहा कि यह भारत शांति चाहता है, लेकिन यदि मानवता पर हमला हुआ तो यह भारत दुश्मन को उसके घर में घुसकर जवाब देगा। अंत में, उन्होंने सैनिकों की वीरता, संयम और समर्पण को राष्ट्र का गौरव बताते हुए कहा, "भारत माता की जय! वंदे मातरम्!"

पंजाब पुलिस ने बस अड्डों पर चलाया तलाशी अभियान गुरदासपुर में दो नशा तस्करों के घर किए धराशायी

पुलिस द्वारा 75वें दिन 124 नशा तस्कर गिरफ्तार; 4 किलोग्राम हेरोइन, 2.5 किलोग्राम अफीम बरामद, पुलिस टीमों ने छह जिलों की जेलों की भी ली तलाशी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 75वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस द्वारा आज राज्य भर के बस अड्डों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। यह ऑपरेशन डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर सभी 28 पुलिस जिलों में चलाया गया। इस राज्य स्तरीय ऑपरेशन की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने कहा कि सभी सीपीज़/एसएसपीज़ को इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) रैंक के अधिकारियों की निगरानी में भारी पुलिस बल तैनात करने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि राज्य भर के सभी बस अड्डों पर चलाए गए इस ऑपरेशन के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई।

इसके अलावा, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम को जारी रखते हुए आज 486 स्थानों पर छापेमारी की है, जिसके चलते राज्य भर में 83 एफआईआर दर्ज की गईं और 124 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ, 75 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 11,208 हो गई है। स्पेशल डीजीपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 4.02 किलोग्राम हेरोइन, 2.5 किलोग्राम अफीम और 27090 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उन्होंने बताया कि 87 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1200 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में छापेमारी की और दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान 481 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।

नशों के विरुद्ध मुहिम के हिस्से के रूप में, गुरदासपुर में गांव डीड़ा सांसीया में जल संसाधन विभाग की जमीन पर गैर-कानूनी तौर पर बनाए गए दो नशा तस्करों बलजिंदर और लखविंदर के घरों पर बुलडोजर चलाया गया। स्पेशल डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस द्वारा व्यापक रणनीति तैयार की गई है और राज्य से नशे के पूर्ण खात्मे तक ऐसे ऑपरेशन जारी रहेंगे।

इस दौरान, पंजाब पुलिस ने राज्य की जेलों में किसी भी गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए छह जिलों - कमिश्नरेट जालंधर, होशियारपुर, एसबीएस नगर, जालंधर देहाती, कपूरथला और रूपनगर - की विभिन्न जेलों में भी तलाशी अभियान चलाया। स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा, "हमारी पुलिस टीमों द्वारा जेल परिसर में बैरकों, रसोई और शौचालयों सहित हर कोने और कोने की अच्छी तरह से तलाशी ली गई है।"

रोडवेज और पीआरटीसी के बेड़े में 1262 नई बसें होंगी शामिल

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने आज पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी के अधिकारियों को आदेश दिया कि नई बसें शामिल करने की कार्रवाई में तेजी लाई जाए।उल्लेखनीय है कि पनबस के बेड़े में 606 और पीआरटीसी में 656 समेत 100 मिनी बसें, कुल 1262 नई बसें शामिल की जाएंगी। यहां पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी के अधिकारियों के साथ नई बसों की खरीद संबंधी चल रही कार्रवाई का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए स. लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य के लोगों को बेहतर सरकारी बस सेवा मुहैया करवाने की दिशा में किए गए कार्यों के चलते राज्य के लोगों का सरकारी बस सेवा में फिर से भरोसा बहाल हुआ है, जिसके चलते सरकारी बसों की प्रति किलोमीटर के हिसाब से आमदनी में वृद्धि दर्ज हुई है।

भुल्लर ने पंजाब रोडवेज और पी. आर. टी. सी. के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पहले से चल रही बसों के कंडम होने से पहले नई बसों की खरीद संबंधी चल रही कार्रवाई पूरी कर ली जाए ताकि राज्य के लोगों को किसी किस्म की दिक्कत का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर पी. आर. टी. सी. के प्रबंध निदेशक बिक्रमजीत सिंह शेरगिल और पंजाब रोडवेज के निदेशक श्री राजीव गुप्ता और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मतदाता सूची-2025 के जारी सुधाई कार्य की प्रगति की समीक्षा की

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब श्री हरीश नय्यर ने आज डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी डा. हिमांशु अग्रवाल और सभी मतदाता रजिस्ट्रेशन अधिकारियों के साथ बैठक कर वोटर सूची-2025 के निरंतर सुधाई के चल रहे कार्य की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब ने सभी मतदाता रजिस्ट्रेशन अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार दावों और आपत्तियों का समय पर निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र स्तर पर तैनात पर्यवेक्षकों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाएं तथा बी.एल.ओ से संवाद बनाए रखा जाए।

उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले 18 से 19 वर्ष के विद्यार्थियों के वोट बनाने और उन्हें लोकतंत्र में भागीदारी के लिए प्रेरित करने के लिए स्वीप गतिविधियां चलाने के भी निर्देश दिए। जिला चुनाव अधिकारी डा. हिमांशु अग्रवाल ने आश्वासन दिया कि जिले में स्वीप गतिविधियों के तहत अधिक से अधिक युवाओं को मतदाता बनाया जाएगा, ताकि मजबूत लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस मौके पर चुनाव तहसीलदार सुखदेव सिंह और सहायक नोडल अधिकारी स्वीप डा. अशोक सहोता भी मौजूद रहे।

अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा हेतु निःशुल्क कोचिंग क्लास की सुविधा

जालंधर (जालंधर ब्रीज). डिप्टी डायरेक्टर रोजगार विभाग नीलम महे ने बताया कि जिला प्रशासन अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए मुफ्त कोचिंग की कक्षाएं शुरू कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं जिला रक्षा सेवा कल्याण कार्यालय, जालंधर और के.आर.एम. डीएवी कॉलेज, नकोदर में शुरू की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि इन निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं में दाखिला लेने के इच्छुक उम्मीदवार 19 मई, 2025 तक गूगल लिंक https://forms.gle/cYGBzRfpMamuT5kb9 या मोबाइल नंबर 90569-20100 पर खुद स्वयं को रजिस्टर कर सकते है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आवेदक जिला रोजगार और उद्यमिता ब्यूरो, जालंधर के दफ्तर में भी जा सकते है। उन्होंने बताया कि इन कोचिंग कक्षाओं के दौरान विशेषज्ञ अध्यापक अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा से संबंधित विषयों की विस्तृत तैयारी करवाएंगे तथा नोट्स भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

एसएसपी (जालंधर ग्रामीण) हरविंदर सिंह विर्क द्वारा आज एक विशेष एवं महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में परमिंदर सिंह हीर एस.पी. मुख्यालय, मनजीत कौर एस.पी. पी.बी.आई., सभी राजपत्रित अधिकारी, एस.एच.ओ. और चौकी प्रभारी उपस्थित थे। बैठक में जहां पंजाब सरकार की 'युद्ध नशे के विरुद्ध' मुहिम को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए, वहीं कानून व्यवस्था तथा आम जनता व पुलिस के बीच आपसी समझ को बनाए रखने के निर्देश भी दिए। एस.एस.पी श्री हरविन्द्र सिंह विर्क ने कहा कि नशे के विरुद्ध जंग को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा जो लोग नशे के आदी हो गए हैं, उन्हें नशे के दलदल से बाहर निकालने में सहयोग किया जाए, ताकि वे नशा छोड़कर सामान्य जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जाए ताकि जनता को यातायात संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अधिक सतर्कता एवं योजनाबद्ध रणनीति अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुरे तत्वों के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय पेंशन अदालत 19 को

जालंधर (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार के निर्देश पर पेंशनरों की शिकायतों के समाधान के लिए 19 मई, 2025 को जिला प्रशासकीय परिसर जालंधर में जिला स्तरीय पेंशन अदालत स्थापित की जा रही है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए जिला सामाजिक सुरक्षा अधिकारी-कम- नोडल अधिकारी मनजिंदर सिंह ने बताया कि डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल के नेतृत्व में जिला स्तरीय पेंशन अदालत में रजिस्ट्रार जनरल (ए. एंड ई.), पंजाब की टीम द्वारा जिले के विभिन्न विभागों के पेंशनरों की समस्याओं की सुनवाई की जाएगी और प्राप्त शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जाएगा। उन्होंने जिला के सभी विभागाध्यक्षों से अपील की कि वे अपने कार्यालयों में पेंशनरों द्वारा प्राप्त विभिन्न आवेदनों का सम्पूर्ण रिकार्ड जिला स्तरीय लोक अदालत में लेकर आएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार जिले के पेंशनरों को हर सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रणव ने 12वीं मेडिकल में 96.6% अंक व आयुषी ने नॉन मेडिकल में हासिल किए 90% अंक

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

शिव ज्योति पब्लिक स्कूल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के छात्र प्रणव भाटिया व आयुषी भाटिया ने 12वीं कक्षा के 2024-25 के सी.बी.एस.ई बोर्ड द्वारा जारी रिजल्ट में अपनी-अपनी स्ट्रीम में स्कूल में पहला व दूसरा स्थान हासिल कर अपने विद्यालय टीचर्स और माता-पिता का नाम रोशन किया है। जहां प्रणव भाटिया ने मेडिकल स्ट्रीम में 96.6% अंक लेकर अपने स्कूल में पहला और जालंधर में दूसरा स्थान प्राप्त किया और आयुषी भाटिया ने नॉन मेडिकल स्ट्रीम में 90% अंक लेकर स्कूल में दूसरा स्थान प्राप्त किया अपनी इस उपलब्धि से प्रणव भाटिया एवं आयुषी भाटिया ने जहां स्कूल, प्रिंसिपल एवं शिक्षकों का नाम रोशन किया है और उसके साथ ही अपने परिवार को गर्व महसूस कराया है।

प्रणव भाटिया ने बताया कि वह आगे चलकर मेडिकल के क्षेत्र में अपना नाम कमाना चाहता है। और उसकी बहन आयुषी भाटिया ने बताया कि वह आगे चलकर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल करना चाहती है दोनों भाई बहनों ने कहा कि यह सफलता केवल उसकी मेहनत का नहीं, बल्कि उसके परिवार के लगातार समर्थन और प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा की परिवार ने हर कदम पर उनका उत्साह बढ़ाया और पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल दिया। दोनों बच्चों ने बताया कि उन्होंने नियमित पढ़ाई, समय का सही प्रबंधन और आत्मविश्वास को अपनी सफलता की कुंजी बनाया।

निगम दफ्तर में सफाई कर्मियों का प्रदर्शन, बंद रखा कामकाज

जालंधर (जालंधर ब्रीज). सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नगर निगम कार्यालय पर धरना दिया। कर्मचारियों ने काम पूर्ण तौर पर बंद रखा व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए पंजाब सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल ने कहा कि सफाई कर्मचारियों, सीवरमैनों और ड्राइवरों की मुख्य मांग है कि त्योहारों और छुट्टियों के दौरान काम करने वाले कर्मचारियों को अमृतसर निगम की तर्ज पर 13वें वेतन के रूप में अतिरिक्त भुगतान किया जाए। इस संबंध में मंत्री ने कमिश्नर को निर्देश भी दिए हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कर्मियों ने सफाई, कूड़े की लिफ्टिंग और अन्य कार्यों को फिलहाल बंद कर दिया है जिस कारण शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कुछ सप्ताह पहले निगम प्रशासन ने यूनियनों की मांग पर 16 सफाई सेवकों को सेनेटरी सुपरवाइजर के पद पर प्रमोशन के आदेश जारी किए थे। हालांकि, सरकार से इसकी औपचारिक मंजूरी अभी तक नहीं मिली है।

डॉ. रवजोत सिंह द्वारा औचक निरीक्षण जारी; सुबह-सुबह होशियारपुर शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया

सफाई में लापरवाही के विरुद्ध दी सख्त चेतावनी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने पंजाब भर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण जारी रखते हुए आज सुबह विधायक ब्रम शंकर जिम्पा सहित होशियारपुर शहर के विभिन्न इलाकों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने कई स्थानों पर सफाई में लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन, मेयर सुरिंदर कुमार, बैकफिन्को के चेयरमैन संदीप सैनी, जिला योजना कमेटी की चेयरपर्सन करमजीत कौर और नगर निगम कमिश्नर डॉ. अमनदीप कौर भी उनके साथ मौजूद थे। स्थानीय निकाय मंत्री ने सिविल अस्पताल के पास स्थित एक प्लॉट से निरीक्षण शुरू किया, जहां कूड़े के ढेर लगे हुए थे। डॉ. रवजोत सिंह ने इसका सख्त नोटिस लेते हुए नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित प्लॉट मालिकों को नोटिस जारी करें और कूड़ा न फेंकने के लिए स्पष्ट निर्देश दें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्लॉट शहर की सफाई व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं, जिस पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है।

उन्होंने सिविल अस्पताल से प्रभात चौक तक सड़क के किनारे को नियमित रूप से साफ करने और उस क्षेत्र को हरे-भरे क्षेत्र में बदलने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा घंटा घर के पास लेबर शेड के आसपास साफ-सफाई सुनिश्चित करने और कब्जे हटाने पर भी जोर दिया गया। बंद पड़े सार्वजनिक शौचालयों को तुरंत खोलने, उनकी सफाई और नियमित रूप से रखरखाव करने के निर्देश देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान करने में कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के अगले चरण में डॉ. रवजोत सिंह ने रेड रोड, शिमला पहाड़ी चक, सरकारी एलिमेंट्री स्कूल बहादुरपुर और डी.ए.वी कॉलेज के पास कूड़े के डंप पॉइंट्स का दौरा किया। उन्होंने इन सभी स्थानों पर सफाई की स्थिति का जायजा लिया।

16 मई से गांवों में शुरू होगी नशा मुक्ति यात्रा

कपूरथला (जालंधर ब्रीज). राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को नशा मुक्त बनाने और नशा तस्करी के खात्मे के उद्देश्य से एक व्यापक मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में 16 मई से कपूरथला जिले के गांवों में क्रमवार सभाएं आयोजित कर जन जागरूकता समागम करवाये जाएंगे। पहले दिन जिले के 10 गांवों—आलमगीर, बनवालिपुर, काला संधिया, लाटियांवाल, भौर, हैबतपुर, बुताला, अमरीक नगरी, भुल्लाराई और बीड़ पुआध में नशा मुक्ति यात्रा के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डिप्टी अमित कुमार पंचाल ने बताया कि विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों और नशा मुक्ति मोर्चा के जिला व हल्का कोआरडीनेटर द्वारा यह जागरूकता अभियान गांव-गांव पहुंचाया जाएगा। नशा मुक्ति यात्रा के अंतर्गत प्रत्येक गांव में ग्राम सभा बुलाकर तथा जिला सुरक्षा समितियों के साथ-साथ समस्त गांववासियों को इस अभियान में भागीदार बनाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग, सहकारिता विभाग के अलावा बड़ी संख्या में विशेषज्ञों द्वारा लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा और उन्हें इस जन आंदोलन का पूर्ण रूप से भागीदार बनाया जाएगा।

इस संबंध में हर हल्के के तीन गांवों में प्रतिदिन जागरूकता प्रोग्राम करवाया जायेगा। इसके लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि इन प्रोग्राम के दौरान लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने हेतु प्रचार सामग्री भी वितरित की जाएगी। इन जागरूकता प्रोग्राम का उद्देश्य नशा पीड़ितों को नशे की गिरफ्त से निकालकर उनका सही इलाज, काउंसलिंग और उनके पुनर्वास के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण देना भी है।

स्वास्थ्य विभाग ने जिले में खाद्य पदार्थों के 12 नमूने एकत्र किए

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला निवासियों को मिलावट रहित गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सहायक कमिश्नर फूड डा. हरजोत पाल के नेतृत्व में गठित फूड सेफ्टी टीम, जिसमें फूड सेफ्टी अधिकारी मुकुल गिल और प्रभजोत कौर शामिल थे, ने जमशेर, बस्ती शेख रोड और बस्ती दानिशमंदा में औचक निरीक्षण किया और 12 खाद्य पदार्थों के सैंपल एकत्रित किए। इस संबंध में सहायक कमिश्नर फूड डा. हरजोत पाल सिंह ने बताया कि इन नमूनों को आगे की जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए महिला भारतीय टीम का हुआ ऐलान

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहले पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद दोनों टीमों की टक्कर वनडे फॉर्मेट में होगी। टी20 सीरीज की शुरुआत 28 जून से हो रही है। वहीं वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 16 जुलाई को खेला जाएगा। इस तरह लिमिटेड ओवरों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के बीच कुल मिलाकर कुल 8 मुकाबले खेले जाएंगे। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में अनुभवी हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तान नियुक्त की गई हैं। वहीं ओपनर बैटर स्मृति मंधाना टीम की उप कप्तान नियुक्त की गई हैं। टीम में विस्फोटक ओपनर बैटर शेफाली वर्मा की वापसी हुई है। इसके अलावा सयाली सतघरे को भी इस फॉर्मेट के स्काड में शामिल किया गया है। वहीं वनडे सीरीज की बात करें तो श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर और स्नेह राणा को स्क्वाड में बरकरार रखा गया है।

फोटो-बीसीसीआई

बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ यह सीरीज वनडे विश्व कप से पहले टीम इंडिया के लिए काफी अहम है। विश्व कप की मेजबानी भारत के पास है। ऐसे में टीम इंडिया के लिए लिमिटेड ओवरों की इस सीरीज में तैयारी के लिए एक बेहतरीन मौका है। इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि भारतीय टीम के विश्व कप का स्क्वाड लगभग इसी टीम से तय की जाएगी।

टी20 और वनडे सीरीज के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

आईआईटी गुवाहाटी में आईसीए 2025 का उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी में 14 मई को कृषि-केंद्रित संगणना (आईसीए 2025) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। यह सम्मेलन वैश्विक विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उभरती हुई कम्प्यूटेशनल तकनीकें कृषि में कैसे क्रांति ला सकती हैं। आईआईटी रोपड़ आईहब- एडबल्यूएडीएच, आईआईटी रोपड़ एएनएनएएम. एआई, आईआईटी गुवाहाटी और एनआईटी अरुणाचल प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन ने एआई-संचालित कृषि और सतत नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को मजबूत किया। असम विधानसभा के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. नुमाल मोमिन ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. मोमिन ने ग्रामीण आजीविका, खाद्य सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि के महत्व पर जोर दिया। आईआईटी रोपड़ का प्रतिनिधित्व करते हुए, मुकेश सैनी ने जमीनी स्तर पर नवाचारों को बढ़ाने और कृषि प्रौद्योगिकी परिनियोजन के लिए सहयोगी नेटवर्क को बढ़ावा देने पर चर्चा में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

इस कार्यक्रम में शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों और किसानों सहित 65 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया, जिसमें 35 पेपर और 5 पोस्टर प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिसमें एआई, आईओटी, सटीक खेती और टिकाऊ कृषि-तकनीक समाधानों में प्रगति को दर्शाया गया। आईसीए 2025 अगले दो दिनों तक और तकनीकी सत्रों के साथ जारी रहेगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.